(b) if so, what are the reasons therefor: and

(c) what steps has been taken by Government to save the tribe?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF WELFARE (SHRI GIRIDHAR GOMANGO) : (a) to (c) There is no positive evidence to indicate that paharia tribe is declining in population. The population trend of Paharia tribe during 1961-71 Census was as follows:

	Population	
	1961	1971
(i) Sauria paharia	55,606	59,047
(ii) Mal paharia	45,423	48,636

The 1981 tribe-wise Census population figures have not been finalised. Both groups of paharia have been identified as primitive for according special treatment for their development. The Government of India provided Special Central Assistance of about Rs. 207.08 lakhs during the Sixth Plan period for taking up developmental programmes for the nine tribel groups indentified as primitive in the State-Beneficiary oriented programmes including health and education are taken up for these groups. Gram Sabhas have been organised to render assistance to these communities in their economic upliftment. Government sanctions grant-in-aid to these Gram Sabhas. Credit facilities at concessional rate of interest are extended to the members through respective Gram Sabhas.

बरौनी उर्वरक कारखाने के महाप्रबन्धक के विरुध भ्रष्टाचार के आरोप

2036. श्री हुक्मदेव नारायण यादव: क्या कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि कुछ संसद सदस्यों ने 19 सितम्बर, 1985 को उनके लिखे अपने पत्र में बरौनी उर्वरक कारखाने के महाप्रबन्धक के विरुद्ध भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं तथा उन आरोपों की जाच करने की मांग की है, यदि हां, तो इस संबंध में क्या कार्यवाही की गई है; और

(ख) क्या सरकार को यह जानकारी है कि भ्रष्टाचार के आरोपों से संबंधित सभी दस्तावेजों को नष्ट किया जा रहा है ?

उर्वरक विभाग में राज्य मंत्री (श्री के० नटवर सिंह) : (क) माननीय सदस्य ने दिनांक 12 अगस्त, 1985 तथा 19 सितम्बर, 1985 के अपने पत्रों में बरौनी उर्वरक संयंत्र के प्रबन्धकों द्वारा खाली ड्रमों तथा प्रयुक्त मोबिल आयल के विक्रय, वर्दी हेतु कपड़े, कोयले को तोड़ने के लिए लाईम बीडर, पोलीथीन के थैलो की खरीद, ने फथा/कोयले के अपव्यय, यूरिया के स्टाक में कमी मरम्मत पर अपव्यय आदि से संबंधित मामलो में कुछ कथित अनियमितताओं की ओर ध्यान आकर्षित किया।

हिन्दुस्तान फर्टिलाइजर कार्पोरेशन ने सूचित किया है कि प्रबन्धकों ने उक्त आरोपों की जांच की थी। विभिन्न दस्तावेजो की जांच करने तथा वास्तविक जांच के पश्चात् विभागीय समिति ने बरौनी सिलो में अप्रल–मई, 1983 के माह तक 11,000 टन यूरिया की कमी पाई। समिति ने विचार व्यक्त किया है कि यह कमी मुख्यत: रिकार्डिग उपकरण में खराबी के कारण थी। प्रारम्भिक जांच के पश्चात् खाली ड्रमों की बिक्री का मामला केन्द्रीय सतर्कता आयोग को सौप दिया गया है। शेष सभी आरोप तथ्यहीन पाये गये है।

(ख) इस संबंध में सरकार के पास कोई सूचना नहीं है। तथापि, निगम को इस संबंध में सारी स्थिति की पूर्णतया जांच करने के लिये कहा गया है।

2037. [Transferred to the 16th December, 1985.]